



Research Subjects and Guidelines for the (MAJMC21, 4th semester) learners of School of Journalism and Media Studies (January, 2027)

पत्रकारिता और मीडिया अध्ययन स्कूल के (एमजेएमसी 21 चतुर्थ सेमेस्टर) विद्यार्थियों के लिए लघु शोध प्रबंध के नियम और निर्देश (जनवरी, 2027)

For the attention of fourth semester learners of MA-JMC 21

एमजेएमसी 21 चतुर्थ सेमेस्टर के शिक्षार्थी ध्यान दें -

एमजेएमसी 21 के अंतर्गत जिन शिक्षार्थियों ने वर्तमान ग्रीष्मकालीन सत्र 2026 में, कार्यक्रम के अंतिम (चतुर्थ) सेमेस्टर में प्रवेश लिया है या पूर्व में जिन शिक्षार्थियों के लघुशोध कार्य पूरे नहीं हो पाये हैं उन शिक्षार्थियों को नीचे दिये गए किसी एक विषय पर मौलिक लघुशोध प्रबंध लिखकर 31 जनवरी, 2027 तक विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं मीडिया अध्ययन विद्याशाखा में स्वयं या रजिस्टर्ड डाक द्वारा जमा कराना होगा। शोध प्रबन्ध तैयार करने से पूर्व सभी शिक्षार्थियों को शोध पर आधारित 4 दिन की अनिवार्य कार्यशाला में हिस्सा लेना होगा, जिसमें विशेषज्ञों द्वारा शोध शास्त्र पर तथा शोध प्रबन्ध तैयार करने की जानकारी प्रदान की जाएगी। कार्यशाला में प्रतिभाग करने पर शिक्षार्थियों को प्रमाण- पत्र जारी किए जाएंगे, जिसकी छाया प्रति शोध प्रबन्ध के साथ संलग्न किया जाना अनिवार्य होगा, बिना प्रमाण पत्र जमा किया गया शोध प्रबन्ध स्वीकार नहीं किया जायेगा। 4 दिवसीय अनिवार्य शोध कार्यशाला नवम्बर माह के अंतिम सप्ताह में आयोजित की जाएगी। कार्यशाला गढ़वाल क्षेत्र के शिक्षार्थियों के लिए विश्वविद्यालय परिसर देहरादून में तथा कुमाऊं क्षेत्र के शिक्षार्थियों के लिए विश्वविद्यालय मुख्यालय हल्द्वानी में आयोजित होगी।

(शिक्षार्थी सभी निर्देशों का पालन करें और अपने शोध निर्देशक को भी अनिवार्य रूप से इसे पढ़ाएं।)

लघुशोध प्रबन्ध के विषय-

1. उत्तराखण्ड में डिजिटल पत्रकारिता का विकास : स्थानीय पत्रिकाओं के विशेष संदर्भ में।
2. उत्तराखण्ड राज्य में प्लाइन और मीडिया।
3. आपदा संचार में सोशल मीडिया की भूमिका।
4. सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स और ट्रैवल ब्लॉगर्स की उत्तराखण्ड पर्यटन के प्रचार में भूमिका।
5. डिजिटल मीडिया में रोजगार के नए अवसर : कंटेंट क्रिएशन, सोशल मीडिया प्रबंधन और डेटा पत्रकारिता।
6. युवाओं पर रील्स और शॉर्ट वीडियो का प्रभाव : स्नातक स्तर के विद्यार्थियों पर एक अध्ययन।
7. सामुदायिक रेडियो का ग्रामीण क्षेत्र पर प्रभाव : उत्तराखण्ड के विशेष संदर्भ में।
8. पॉडकास्ट : श्रव्य माध्यम का नया स्वरूप और हिंदी श्रोताओं में इसकी लोकप्रियता।
9. डिजिटल युग में मोबाइल पत्रकारिता (मोजो) : उत्तराखण्ड के स्थानीय पत्रकारों के विशेष संदर्भ में।
10. कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) का समाचार लेखन और संपादन पर प्रभाव।
11. फेक न्यूज और फैक्ट-चेकिंग : हिंदी फैक्ट-चेकिंग प्लेटफॉर्मों की भूमिका का अध्ययन।
12. OTT प्लेटफॉर्म और बदलती दर्शक रुचि : टेलीविजन दर्शकों पर एक तुलनात्मक अध्ययन।

कृपया नीचे दिये गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें -

1. शिक्षार्थियों से लघु शोध प्रबंध तैयार करवाने का उद्देश्य उन्हें संचार शोध का व्यावहारिक ज्ञान देना है। इसलिए शिक्षार्थी शोध प्रबंध लिखने से पहले पुस्तकालयों और इंटरनेट पर उपलब्ध शोध ग्रंथों का अध्ययन कर लें। इससे उन्हें शोध प्रबंध लिखने में मदद मिलेगी।
2. शिक्षार्थियों को दिए गए विषयों में से किसी एक विषय पर लघु शोध प्रबंध लिखना है। कृपया ध्यान रखें कि विषयों के आधार पर अपना शीर्षक विकसित किया जा सकता है। लेकिन शीर्षक मुख्य विषय पर आधारित होना जरूरी है।
3. शोध विषय से सम्बन्धित साहित्य का अवलोकन व अध्ययन अवश्य करें, इससे आपकी विषय सम्बन्धी जानकारी बढ़ेगी और आपका शोध कार्य बेहतर होगा।

4. 31 जनवरी, 2027 तक लघु शोध प्रबंध का विश्वविद्यालय के पत्रकारिता और मीडिया अध्ययन स्कूल में पहुंचना अनिवार्य है।
5. शोध प्रबंध लेखन के मौलिक न होने और नियमों का पालन न करने पर उसे अस्वीकृत कर दिया जाएगा।
6. छात्र शोध निर्देशक के चयन हेतु पत्रकारिता एवं मीडिया अध्ययन विद्याशाखा के समन्वयक से संपर्क करेंगे, जिसके पश्चात उन्हें शोध निर्देशक उपलब्ध कराये जायेंगे।

लघु शोध करवाने वाले शिक्षक की जिम्मेदारी

1. शोध निर्देशक, शिक्षार्थी के शोध ग्रंथ की मौलिकता के लिए नैतिक और कानूनी तौर पर जिम्मेदार होंगे।
2. शोध प्रबंध विश्वविद्यालय की तरफ से दिये गए विषयों पर ही आधारित होगा। लेकिन शोध का शीर्षक विषय की सीमा के भीतर शोध निर्देशक की सहायता से तैयार किया जा सकता है।
3. सबसे पहले शिक्षार्थी को एक शोध प्रस्ताव तैयार करना होगा जिसकी जांच और स्वीकृति शोध निर्देशक करेगा। निर्देशक की तरफ से अनुमोदित शोध प्रस्ताव की प्रति शिक्षार्थी को शोध प्रबंध के साथ संगलन करनी होगी।
4. शोध प्रबंध कम से कम पांच अध्याय और 100 पृष्ठों का होना चाहिए।
5. शोध प्रारंभिक और द्वितीयक दोनों आंकड़ों पर आधारित हो सकता है। शोध प्रबंध लिखते समय मीडिया अध्ययन में उपयोगी शोधशास्त्र (Methodology) का पालन करना जरूरी है।
6. बिना संदर्भ-सूची (References) के जमा किया गया अध्ययन स्वीकार नहीं किया जाएगा। संदर्भ सूची के लिए American Psychological Association (APA) के छठे संस्करण (http://student.ucol.ac.nz/library/onlineresources/documents/apa_guide_2015.pdf) का अनुपालन किया जाए।
7. शीर्षक-उपशीर्षक के लिए 14-20 तक फॉन्ट साइज इस्तेमाल किया जा सकता है जबकि मुख्य सामग्री का फॉन्ट साइज अंग्रेजी में 12 होगा तथा हिंदी में 16 तक रख सकते हैं। इससे कम या ज्यादा फॉन्ट साइज होने पर अध्ययन अस्वीकार किया जा सकता है।
8. प्रिंटेड शोध प्रबंध की हार्ड बाइंडिंग होना जरूरी है। स्पाइरल बाइंडिंग और हाथ से लिखे अध्ययन स्वीकार नहीं किये जाएंगे।
9. शोध ग्रंथ के परिशिष्ट में शोध प्रस्ताव (Synopsis) की प्रति संगलन करना जरूरी है।
10. विशेष परिस्थितियों में शिक्षार्थी अपनी पसंद के विषय पर शोध प्रबंध लिख सकते हैं लेकिन उन्हें पहले स्कूल आफ जर्नलिज्म एंड मीडिया स्टडीज से अनुमति लेनी होगी।

प्रो. राकेश चन्द्र रयाल
निदेशक
पत्रकारिता एवं मीडिया अध्ययन विद्याशाखा

लघु शोध प्रबंध का प्रारूप
(Format for Dissertation)

Cover Page of Dissertation

Title of the Study



Dissertation

Submitted to

School of Journalism and Media Studies

Uttarakhand Open University

Haldwani-Nainital, Uttarakhand

For the Partial Fulfillment of the Degree/Diploma of

.....

Name of the Supervisor

Year

Name of the Researcher

Enrolment Number.....

Parts of a Dissertation

Section	Page	Required/Optional; notes
1: Title page	Title page - no page number	Required
2: Preliminary pages (Roman page numbers)	Abstract	Required
	Dedication	Optional
	Acknowledgements	Optional
	Table of Contents	Required
	List of Tables	Required
	List of Figures	Required
	Chapterization and References	Required

School of Journalism and Media Studies
Uttarakhand Open University
Haldwani, Nainital, Uttarakhand
PROFORMA FOR APPROVAL OF DISSERTATION PROPOSAL
(HARD COPY ONLY SHALL BE ACCEPTED)

Note:

- i. Please ensure that all entries of the Performa are correctly filled in.
- ii. The filled in Performa along with the dissertation proposal should be Submitted to the supervisor.

(To be filled by the student)

Enrollment no.....

1. Name and Address of the student

.....
.....
.....

2. E-mail

3. Telephone No.

4. Title of the Dissertation

.....
.....
.....

5. Name and Address of the Supervisor

.....
.....
.....

6. Qualification & Experience of Supervisor

.....
.....
.....

(Signature of the Student)

Date.....

(Signature of the Supervisor)

Date:

Declaration

I hereby declare that the dissertation

Entitled.....

.....

.....(Write the title in Block Letters) Submitted by me for partial fulfillment of the.....to Uttarakhand Open University (UOU) is my own original work and has not been submitted earlier to any other institution for the fulfillment of the requirement for any other programme of study. I also declare that no chapter of this manuscript in whole or in part is lifted and incorporated in this report from any earlier work done by me or others.

Date:

Place:

Signature:.....

Enrolment no.....

Name :.....

Address:.....

.....

Certificate

This is to certified that Mr./Ms. Student
of.....from Uttarakhand Open University (UOU) Haldwani- Nainital was working under my supervision and guidance
for his/her Project Work for the course His/Her Project Work
entitled.....

..... is his /her
genuine and original work.

Signature:.....

Name:.....

Address:.....

Phone no. & mail id.....

(To be filled by the supervisor)

Date:

Place:

Remuneration for the Supervision of the Project Work/Dissertation

Name of the Supervisor:

PAN No.

Account No.

Bank Name

IFSC Code

Projects Supervised (No.):.....

Learners Name:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

7.

8.

9.

10.

Total Amount

I hereby confirm that the above projects are supervised under my guidance.

Signature:

Date:

(To be filled-in by the Office)

Verified by :

Name :

Signature